

**11 लाख में
2 BHK प्लैट**



वास्तु विहार®
एक विश्वस्तरीय टाउनशिप



बंगलो ही बंगलो

आपके शहर धनबाद में

2 BHK बंगलो ▶ 30 लाख में | 3 BHK बंगलो ▶ 36 लाख में

पापा, हमलोग भी
अब बंगलो में
रहेंगे



Call
Now

95340 95340



सोमवार

1 जुलाई 2024, आशांका कृष्ण पक्ष, दशमी, विक्रम संवत् 2081, धनबाद

नगर संकारण, वर्ष 14, अंक 153, 16 पेज, गूल्हे ₹ 5.00

• पांच प्रदेश • 21 संकारण

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

विदेश मंत्री एस.
जयशंकर एक
दिवसीय यात्रा
पर करते पहुंचे



हिन्दुस्तान

नए आपराधिक कानून आज से

नई विलीनी, एजेंसी देशभर में सोमवार

से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो जाएंगे। इससे देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आयेंगे और औपचारिक कानूनों का अंत हो जाएगा।

तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नामिक संहिता और भारतीय साक्ष अधिनियम विटिश कानून के कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष अधिनियम का स्थान ले रहे। इन कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी, जिसमें जीरो एफ.आई.आर, पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज करना, एसएमएस के जरिये समन भेजने जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और सभी जांच अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वैडिंगोंग्राफी जैसे प्रावधान लागू हो जाएगे। इसके लिए दिल्ली में कई माह से पुलिसकर्मियों ने कोशिश किया जा रहा है। अब तक करीब 25 हजार पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

शाह ने कहा, नए कानून न्याय को प्राथमिकता देंगे : केंद्रीय युवा मंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानून न्याय मुख्य कानूनों को प्राथमिकता देंगे, जिनकी अंग्रेजों के समय के कानूनों में दंडनीय कारबाई की प्राथमिकता दी गई थी। इन कानूनों को भारतीयों ने, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाया गया है। यह औपचारिक कानून के कानूनों का खात्मा करते हैं।

कानूनी शिकंजा का समाप्ति P15

नए कानूनों में ये होगा खास

- मामलों में फेसला मुकदमा प्राप्त होने के 45 दिन के भीतर आया और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे।
- किसी बच्चे को खरीदना और बेयान जाह्य अपराध बनाया जाया जाएगा।
- दुर्कार्य पीड़िताओं का बयान महिला पुलिस अधिकारी अधिवाक या रिपोर्टर की सहित दर्ज करेंगी और मैडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी।
- संठित अपराधों और आतंकवाद के क्रूरों को परिधानित किया जाया है। राजदोह की जगह देशद्रोह लाया जाया है।

भारतीय न्याय संहिता 358 धाराएं हैं भारतीय न्याय संहिता में भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं के बुकाले

इन धाराओं की पहचान बदलेगी

जुर्म	भारतीय दंड संहिता	भारतीय न्याय संहिता
देशद्रोह	धारा 124	धारा 152
गैर-कानूनी सभा	धारा 144	धारा 189
हत्या	धारा 302	धारा 101
हत्या का प्रयास	धारा 307	109
दुर्कार्य	धारा 376	धारा 63
मानवानि	धारा 399	धारा 356
ठारी	धारा 420	धारा 316

भारतीय न्याय अधिनियम : नए भारतीय न्याय अधिनियम में 170 प्रवाधान हैं। इससे पहले वाले कानून में 167 प्रवाधान थे। नए कानून में 24 प्रवाधान बदले हैं।

बांटी जाएगी। इससे हर खिलाड़ी को करीब 8.33 करोड़ रुपये मिलेंगे।

जय शाह ने खिलाड़ी अधिनियम को प्रेरणालाभकर कराया देते हुए कहा, खिलाड़ियों ने आलोचकों का समान किया और शानदार प्रदर्शन से जबाबदा दिया। उनका समर्पण प्रेरणालाभकर होता है।

शाह ने कहा, टीम ने अपने समर्पण, कड़ी मेहनत से सभी को गौरवानित की

किया है। विश्व विजेता भारतीय टीम को दुनियाभर से मिलने वाली बधाइयों का सिलसिला बनाया है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सल्ट नेटवर्क, ग्राल के सीईओ सुन्दर पिछाई, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और बॉलीवुड हस्तियों ने जबाबदा दिया है।

तूफान के कारण टीम की वापसी में विलंब हुए।

तूफान के कारण टीम की वापसी में विलंब हुए।

यह अनवरत विकास यात्रा, हमारे सम्बाद सिद्धांतों से प्रेरित रही है!!

विलंब : भारतीय क्रिकेट टीम की वापसी में विलंब हुई थी।

पूलाइट लेनी थी।

देखें P14

गिरिडीह में 5.5 करोड़ से बन रहा पुल धर्सत

गिरिडीह/देवरी, हिमाचल प्रदेश के भेलवाराटी-झमरीटोला के पास अरगा नदी पर बन रहा पुल शनिवार रात मानसुन की बासिया में धर्सत हो गया। इसके चार गढ़र और सेंटरिंग का सामन नदी के तेज बहाव में बह गया। सेटरिंग बहकर ढंग किमी दूर चला गया। वहाँ पुल के लिए बनाया गया एक पिलर भी टैंडा हो गया। घटना के बाद कार्यालय अपराध विभाग के कार्यालय की बाबत विभाग के कार्यालय की नदी के तेज बहाव के कारण अवासन होता है। अभियंता विभाग की कुमारी ने पुल घंसन की पुषी की है।

देखें P11

पड़ोसी राज्य बिहार में 12 दिन में छठा पुल धर्सत

पटना/किशनगंगा, हिमाचल। बिहार में बीमारी 12 दिनों में छठा पुल धराशायी हो चुके हैं। ताजा घटना किशनगंगा जिले के ठाकुरगंज प्रखंड की है। कुकुरखाड़ी पंचायत स्थित खोंडीडाँगी गांव में बीमारी पर बने पुराने पुल का दो स्पैन रिवार को धो गया। नदी के तेज बहाव के कारण अब इस पुल के खंडों खतरा मंडल लगा है। ठाकुरगंज सीओ सुविता कुमारी ने पुल घंसन की पुषी की है।

घटना की जानकारी दी।

बता दें कि पथ निर्माण विभाग

साढ़े पांच करोड़ की लागत से पुल

का निर्माण करा रहा है। निर्माण कार्य

का जिम्मा ऊंचा : शिवाय कंस्ट्रक्शन

कंपनी के मिला ने निर्माण कार्य

साल 2022 में शुरू हुआ था।



गिरिडीह के देवरी में शनिवार की रात धर्सत हुआ निर्माणाधीन पुल। घटना के बाद विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

नीट मामले में हजारीबाग के दो और शिक्षक पटना तलब

सख्ती

।

हजारीबाग, हिन्दुस्तान नीटीम। नीटे पेपर लिंक का मामले में सीबीआई की टीम ने अपारिस्स स्कूल हजारीबाग के दो और शिक्षकों को पूछताला के लिए पटना बलाया है। दोनों शिक्षक नीट परीक्षा के दोनों दिनों सेटरिंग सुपरिंटेंडेंट भी तात्परता के लिए बहुत बड़ी रुकी है। अपारिस्स स्कूल के इन दोनों बाबों के आदेश पर सीबीआई ने पांच दिन की रिमांड प्रदान की रखा है। इनकी रिमांड अवधि चार जुलाई को पूरी होने वाली है। उस समय उन्हें इस शर्त पर छाड़ दिया जाया जाएगा। बताया गया था कि जब जरूरत होगी, उन्हें पिल बुलाया जाएगा।

।

प्रिंसिपल

हुए हो चुके हैं गिरिपाता

।

प्रिंसिपल एड्सन स्कूल के

।

प्रिंसिपल-वाइस प्रिंसिपल

पहले ही

प्रिंसिपल

प्रिंसिपल

एड्सन

प्रिंसिपल

अपना धनबाद

काम की खबरें



कल में भैंसरठ शहर होकर चलेगी दुर्योगीया

धनबाद। रुड़की-देवबद रेलखंड नन्हे इंटररोडिंग के कारण दो जुलाई को कोलाकाता-अमृतसर दुर्योगीया एवं सप्रेस का मार्ग बदला गया है। ट्रेन सहारनपुर-भैंसरठ शहर-मुगादाबाद के रास्ते अमृतसर जाएगी।



सिविल कोर्ट में आज से शाम 4.30 बजे तक

धनबाद। धनबाद सिविल कोर्ट का कामकाज एक जुलाई से दिन के 11 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के कार्यालय से जारी पत्र में बताया गया है कि अधिकारी की टाइमिंग सुहू तारीख 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगी।



सिंकंदराबाद की दोनों स्पेशल चलेगी सिंतंबर तक

धनबाद। धनबाद होकर चलने वाली 07005-07006 सिंकंदराबाद-रखील-सिंकंदराबाद स्पेशल और 07051-07052 हेदराबाद-रखील-सिंकंदराबाद स्पेशल का फेरा सिंतंबर तक बढ़ा दिया गया है। दोनों देने 07006 07007 रखील-सिंकंदराबाद स्पेशल तीन बजतबूर तक चलेंगी।



बीएड से मेस्टर तीन का परीक्षा फॉर्म आज से भरें

धनबाद। बीवीएमकेर्यु के बीएड सेमेस्टर तीन सत्र 22-24 के छात्र-छात्राओं का परीक्षा फॉर्म एक जुलाई से भरा जाएगा। अतिम तिथि पांच जुलाई है। परीक्षा 15 बीएड से ही सकती है। बीएड सेमेस्टर एक वर्ष से मेस्टर दो में प्रोटोट/पास हैं, वहीं सेमेस्टर तीन का परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।



रांची-नईदिल्ली सासाहिक ट्रेन का अवधि विस्तार

रांची। दोनों में अवधित भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए रांची-नई दिल्ली-रांची सासाहिक समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन का अवधि विस्तार किया गया है। इसके तहत रांची-नई दिल्ली एवं रांची स्पेशल पांच से 26 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार को रांची से चलेंगी।

आज का मौसम



30.0 ° 26.0 °

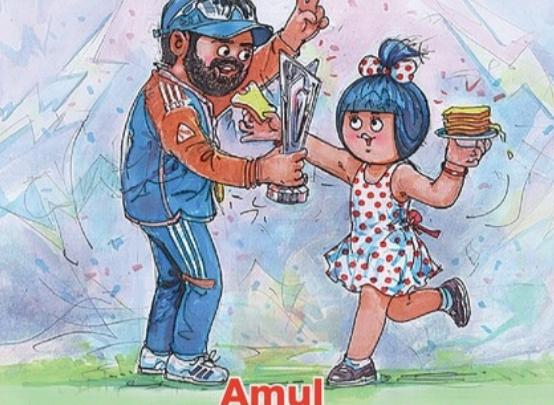
अधिकतम व्यूनतम

सूर्योदय: 05:00 | सूर्यास्त: 18:35

अनुमान

धनबाद में आज भी बारिश की संभावना। गर्मी से राहत मिलेगी।

ChampIndia!



भारत ने T20 वर्ल्ड कप 2024 जीता

शहर 30°



• हिन्दुस्तान

पूर्णिमा मिलीं सचिन-करण के परिजनों से

धनबाद। इरिया विद्यायक पूर्णिमा नीरज सिंह रविवार को सचिन व करण के परिजन से मिलीं। मनईटांड के मनियांदीह की भौत गत दौस्त नदी में डूबने से हो गई थी। दोनों भौत दौस्त की मां ने अस्पताल में शामिल होने जारीया के दावादर नदी को मोहल्ली घाट गए थे। वहाँ दोनों की डूबने से मौत हो गई।

पूर्णिमा नीरज सिंह ने दोनों के परिजनों को सांत्वना दी।

बड़े साइबर अपराधी गैंग के साथ को दबोचा

धनबाद। धनबाद साइबर थाना की पूर्णिमा नीरज सिंह रविवार को सचिन व करण के परिजन से मिलीं। मनईटांड के मनियांदीह की भौत गत दौस्त नदी में डूबने से हो गई थी। दोनों भौत दौस्त की मां ने अस्पताल में शामिल होने जारीया के दावादर नदी को मोहल्ली घाट गए थे। वहाँ दोनों की डूबने से मौत हो गई।

पूर्णिमा नीरज सिंह ने दोनों के परिजनों को सांत्वना दी।

अन्य बनीं नई सीनियर डीओएम प्लार्निंग

धनबाद। दो आईआरटीसी अधिकारियों की विवाद रेल मंडल में प्रॉट्रिंग की गई है। दावापूर रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

टुंडी में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई। धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

चोरी के मोबाइल के साथ खोखन गिरफ्तार

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई। धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

धनबाद रेल मंडल की बीजोपाय अन्य स्पृति की विवाद डिजीजन का नया सीनियर डीओएम प्लार्निंग बनाया गया है। इसी तरह डीएसओ कुमार अकित को धनबाद मंडल में ही नए सीनियर डीओएमों की जारीया दी गई।

धनबाद में जमीन विवाद को लेकर मारपीट

धनबाद। टुंडी में जमीन विवाद को लेकर दो भाइयों की बीच मारपीट हो गई।

हूल दिवस वीरता और बलिदान का प्रतीक

आज हूल दिवस है। हूल क्रांति या फिर संथाल विद्रोह। आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गए अपने 20000 लोगों की याद में मनाते हैं। जैसा कि शब्दों से स्पष्ट हो रहा है, यह विद्रोह आदिवासियों की संघर्ष गाथा और उनके बलिदान को आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन है।

बेहद प्रभावशाली विद्रोह था हूल क्रांति
भले हम 1857 के सिपाही विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का पहल विद्रोह मानते हैं, लेकिन संथाल के आदिवासियों का हूल विद्रोह भी बेहद प्रभावशाली रहा था। तब संथाल विद्रोह मुद्दी भर आदिवासियों ने शुरू किया जो बाद में जब आंदोलन बन गया। संथालियों ने अपने परंपरागत हथियारों के दम पर ही ब्रिटिश सेना को पस्त कर दिया था। 1855 के संथाल विद्रोह में 50000 से अधिक लोगों ने अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ी का आह्वान किया था।

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को देरसारी शुभकामनाएं



अमित कुमार रजक
वार्ड सदस्य, बरहेट पंचायत,
बरहड़वा (साहिबगंज)



हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को देर सारी शुभकामनाएं

मां विंदुवासिनी की कृपा क्षेत्र की जनता पर सदैव बनी रहे



माता का एक भक्त

बरहड़वा व पतना (साहिबगंज)

हूल क्रांति की देन है संथाल परगणा
हूल क्रांति से पहले बंगल प्रेसिडेंसी के अंदर आने वाला यह क्षेत्र काफी दुर्गम-दुर्लभ था, जहाँ पहाड़ों और घने जंगलों के कारण दिन में भी आना-जाना आसान नहीं था। यहीं से आदिवासियों ने विद्रोह का बिशुल फूंका था। वर्तमान में संथाल परगणा के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र पहाड़ की तलहटी में रहने वाले पहाड़ियों को काटकर खेती योज्य बनाते और उसे अपनी जमीन समझते थे। ये लोग अपनी जमीन की मालगुजारी की नहीं देते। जबकि ईस्ट इंडिया कंपनी के जमीदार उनसे मंगल पांडे की अगुआई वाली 1857 के गढ़दर से दो जबरन लगान वसूली करते थे। पहाड़ियों लोगों को सेठ-साहूकार से कर्ज लेना पड़ता था। अत्याचार इस करद बढ़ गया कि आदिवासियों ने संथाल तथा साहूकार की शोषण नीति के खिलाफ

वाले आदिवासी समुदाय को संथाल के नाम से जाना जाता है। वे बैंगा देवता की पूजा करते हैं, जिनके हाथ में बीस अंगुलियां होती हैं। ऐसी मान्यता है कि बैंगा देवता के कहने पर ही भोजानाड़ी हांग व के चुन्नी मांडी के चार बेटे सिल्दो, काहो, चांद और भैरव ने मालगुजारी और अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ 30 जून 1855 को संथाल में दुगुणी पीटकर विद्रोह का एलान किया था।

संथालियों ने दारोगा और 9 सिपाहियों को मार डाला।

मंगल पांडे की अगुआई वाली 1857 के गढ़दर से दो साल पहले संथाल में विद्रोह का बिशुल बज उठा। उनके डर से भागलपुर का मजिस्ट्रेट राजमहल भाग गया। सिल्दो-काहू-चांद-भैरव की सेना फिर बंगल के मुरीदाबाद की ओर बढ़ती गई। यहाँ 15 जुलाई 1855 को ब्रिटिश सेना के साथ लड़ाई में

आदिवासियों की व्यापक गोलबंदी हुई। कर्ज अदा नहीं करने पर पूरे परिवार को बंधुआ मजदूर बना लेने, मालगुजारी नहीं देने पर उनकी जमीन नीलाम कर दी जाती थी। तब अंग्रेजों को रेलवे लाइन बिछाने के लिए अधिकारिक जमीन और बड़ी संख्या में मजदूर की आवश्यकता थी।

चापामारी युद्ध लड़ते थे संथाल विद्रोही थीरे-धीरे संथाली सैनिकों की संख्या बढ़कर 30000 हो गई। समाज के सभी तबके का साथ लिलने के बाद वे बेहद मजबूत हो गए। तब याहाँ-वाहाँ जमीदार और महाजन बड़ी संख्या मारे गए।

भाई-भाई बालपुर का मजिस्ट्रेट राजमहल भाग गया। सिल्दो-काहू-चांद-भैरव की सेना फिर बंगल के मुरीदाबाद की ओर बढ़ती गई। यहाँ 15 जुलाई 1855 को ब्रिटिश सेना के साथ लड़ाई में

200 से अधिक संथाली सैनिक शहीद हो गए। सिल्दो, काहू, भैरव भी तुरी तरह घायल हो गए। हालांकि, तब भी संथाल अंदोलन नहीं रुका। इसके बाद संथाल विद्रोही छापामारी युद्ध पढ़ति से अंग्रेजों पर हमला बोलने लगे। इसके बाद 10 नवंबर 1856 को अंग्रेजों ने संथाल के पूरे इलाके को सेना के सुपर्द कर दिया। तब इस इलाके में गांव के गांव जलाए जाने लगे। सिल्दो, काहू, चांद और भैरव को मार डाल गया। वे संथाल विद्रोह में शहीद हुए। कहा जाता है कि इनकी दो बहनें फूलों और झानु, भी दूल क्रांति में शहीद हुईं। अंग्रेजों के दमन से इनकी महान क्रांति का अंत हो गया, जिसमें हजारों संथालियों ने अपनी शहादत दी। हजारों संथाल हजारीबांग जेल में बंदी बनाकर रखे गए। संथाल विद्रोह का परिणाम यह हुआ कि बाद में यहाँ के लिए विशेष काश्तकारी अधिनियम लागू हुआ।

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को देरसारी शुभकामनाएं



एक शुभर्घितक

बरहेट बाजार, साहिबगंज

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहेट विधानसभा क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



मो इस्लाम शेरक दिनेश कर्मकार
दिनेश कर्मकार
शामुगे प्रतिनिधि, साहिबगंज
पतना (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को देरसारी शुभकामनाएं



शाहजहां अंसारी
जिलाध्यक्ष, शामुगे, साहिबगंज

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज, पाकुड़ व गोद्वा जिलावासियों को देरसारी शुभकामनाएं



विवेदक:
विकास मुर्मू
युवा नेता, जारखेंड मुरित मोर्चा
आवास: बरहेट बाजार, साहिबगंज

हेमलाल मुर्मू
केंद्रीय प्रवक्ता, शामुगे

हूल दिवस के पावन अवसर पर जिला खनन कार्यालय परिवार की ओर से साहिबगंज जिलावासियों को देरसारी शुभकामनाएं

हमारा संकल्प:
• गाइड लाइन के तहत पथर उत्थनन व क्रशर संचालन
• पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण

निवेदक:
क्षेत्रीय पथर व्यवसायी संघ, साहिबगंज जिला

170 वें संताल हूल दिवस (30 जून 1855) के अवसर पर समस्त झारखेंड वासियों को हूल जोहर



पौलुस मुर्मू
मुखिया, ग्राम पंचायत बुद्यावन सह
अध्यक्ष, जिला मुखिया संघ, साहिबगंज

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



सेलिना हांसदा
मुखिया, बरहेट संथाली उत्तरी बरहेट (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहेट प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



श्याम ऑटो मोबाइल
टीवीएस थोरुम
बरहेट बाजार, बरहेट (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



मुजीबुर रहमान
अध्यक्ष - झारखेंड कमेटी सिमड़ा बरहेट (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं परिवार की दुलारी



अयजल खान
बरहेट, साहिबगंज

हूल दिवस के पावन अवसर पर कोटालपेहर प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



कविल अहमद
मुखिया
श्रीकुंड पंचायत, बरहड़वा (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहेट थाना क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



पवन कुमार
थाना प्रभारी, बरहेट (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहेट प्रखंड क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं



अंशु कुमार पांडे
प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरहेट

हूल दिवस के पावन अवसर पर कोटालपेहर क्षेत्र की जनता को देरसारी शुभकामनाएं ममी पापा के लाडले



जीटी रोड पर खड़े ट्रकों के पीछे कब तक लाशें गिनती रहेगी पुलिस



धनबाद, वरीय संवाददाता। जीटी रोड पर हर रोज हादसे हो रहे हैं।

हादसों की जहज भी लगभग कामन है। बावजूद इनकी रोकथाम के लिए कोई सार्थक कदम नहीं उठाए जाते। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में हर बार जीटी रोड पर हादसों की रोकथाम के लिए ब्लूप्रिंट तैयार किए जाते हैं, लेकिन ये जानाएं ध्वनतल



निरसा में जीटी रोड के किनारे खड़े ट्रक और अन्य वाहन।

पर नहीं उतर पातीं। नीतीजतन हादसों में हर रोज लोगों को अपनी जान करें तो छह माह में राजगंज से लेकर मैथन तक सिर्फ़ जीटी रोड पर ही अब तक 14 लोगों की जान चली गई।

है। एक दिन पहले ही शनिवार को निरसा में साइक लिंगों खड़े ट्रक में पिकअप वैन टकरा गया। हादसे में

■ स्थानीय पुलिस और एनएचआई की लपरवाही से हो रहे हैं हादसे

जीटी रोड पर खड़े ट्रक बन रहे काल

जीटी रोड पर खड़े ट्रक जानलेवा बन रहे हैं। तोपावानी से लेकर मैथन तक जीटी रोड के किनारे खड़े ट्रक और हादसे के शिकार हो जाते हैं। नियत: जीटी रोड पर जगह-जगह सड़क के किनारे वाहन खड़ा करने का स्थान (ले-बाय) बनाया गया है, लेकिन इसका इस्तेमाल होता ही नहीं है। जो इसके जिम्मेदार हैं, उनको भी इसकी फिल नहीं। इस मार्ग में स्थानीय पुलिस और एनएचआई फ़ैकाफ़े की करते हैं।

गौर करने की बात यह है कि शनिवार को जिस स्थान पर हादसा हुआ, उसी स्थान पर रविवार का ट्रक पुलिस जीटी रोड पर सड़क किनारे दर्जनों वाहन खड़े मिले। सवाल है कि आखिर कब तक पुलिस जीटी रोड पर खड़े ट्रकों के पीछे लाशें गिनती रहेंगी।

काल एसएनएमएसीए में इलाज का उत्तर है। आय दिन जीटी रोड पर घटनाएं होती हैं।

■ लपरवाही ले रही जान, हर दिन हरे हादसों से नहीं चेत रहाजिला प्रशासन

■ छह माह में राजगंज से लेकर मैथन तक जीटी रोड पर 14 लोगों की जान चली गई



पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने पहुंची अनुपमा सिंह।

अनुपमा सिंह मिली पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से

धनबाद। कांग्रेस नेता अनुपमा सिंह रिवाज का पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रायीं में उनके आवास में सिलीं। हाईकोर्ट के आदेश पर जेल जमानत पर जेल से बाहर आने पर हेमंत सोरेन को बुके भेट कर वर्षां बी। अनुपमा ने कहा कि केंद्र सरकार हेमंत सोरेन को प्रेशर कर रही है। जनता सबकुछ समझती है। लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा की कार्रवाईरियों का जवाब देती।

डॉ. संजय एबीवीपी के नए जिला प्रमुख बने

धनबाद। जमशेदपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रांत का प्रांतीय अध्याय वर्ग संफलतापूर्वक टाटा नगर प्रगति शिक्षा मंदिर बिरसा नगर जमशेदपुर में संपन्न हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय महामंडलीय याज्ञवल्य शूल, राष्ट्रीय संगठन मन्त्री गोविंद प्रभु तथा जिम्मेदार का मार्गदर्शन कार्यालयीकां को प्राप्त हुआ, जिससे धनबाद का जिला संयोजक अशु तिवारी, नीरज निखल विश्व विद्यालय संयोजक विभाग संयोजक नवीन महोत्व व डॉ. संजय कुमार सिंह ने अधिविषय के लिए जिला प्रमुख बनाए गए।

आईटीआई में टाटा का कैंपस सेलेक्शन दो को

धनबाद। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) धनबाद में टायीस कॉर्प लिमिटेड की ओर से टाटा मोर्टर्स जिम्मेदारू और सकारात्मक के लिए कैंपस सेलेक्शन का आयोजन दो जुलाई को सुखव 11 बजे से किया जाएगा। इसमें आईटीआई धनबाद से पास छांसी में सांकेतिक प्राप्ति प्राप्ति को देखना है। टायीसी एस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त नाम राहीं हुए शामिल होंगे।

■ धनबाद के 86 केंद्रों पर मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

■ खालीसा हाईस्कूल धनबाद में 300 में से एक भी छात्र नहीं हुए शामिल

कई स्कूलों में 4-5 छात्र ही हुए परीक्षा में शामिल

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा को लेकर वर्ष में 12 हजार रुपये छात्रवृत्ति प्रदान करती है। रविवार को आयोजित इस परीक्षा में धनबाद में 70 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थी अनुप्राप्ति होती है। इसना ही नहीं खालीसा हाईस्कूल में तो 300 में से एक भी छात्र-छात्राएं परीक्षा देने नहीं पहुंचे।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया था। कई ऐसे परीक्षाकों के बारे से, जिसमें चार, तीन या छात्र-परीक्षार्थी छाँचे। छात्रों में इस परीक्षा को लेकर कोई क्रेंस नहीं रहना चाहिए। इसका उपर्युक्त साल 200 में से केवल 7929 में ही परीक्षा दी गई।

रविवार को धनबाद के 86 केंद्रों में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत

जनक्रांति के नायक कौन थे सिद्धो-कान्हू

मीडिया मार्केटिंग इनिशियेटिव

आज झारखंड में 'हूल दिवस' मनाया जा रहा है। अगर हूल क्रांति का कारण जानने का प्रयास करें तो हम जान पाएंगे कि महाजनों का देश में दबदबा था और वे महाजन अंग्रेजों के बेहद करीब थे। संथालों की लड़ाई महाजनों के खिलाफ थी लेकिन अंग्रेजों के करीब होने के कारण संथालों ने दोनों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था।

अंग्रेजों ने विद्रोह को रोकने के लिए 1856 में तो रात मार्टिलो टावर का निर्माण कराया और उसमें छोटे-छोटे छेद बनाए गए ताकि छिपकर संथालियों को बंदूक से निशाना

बनाया जा सके। लेकिन एक इमारत भला आदिवासियों के पराक्रम के आगे कहाँ टिकने वाली थी। संथालियों के पराक्रम और साहस के आगे अंग्रेजों को झुकना पड़ा और उल्टे पांच भागों पर मजबूर होना पड़ा।

संथालों ने बेहद हिम्मत से अंग्रेजी सिपाहियों और जमीदारों का मुकाबला किया। अंग्रेजों ने भी पूरी क्रूरता के साथ विद्रोहियों को रोकने का प्रयास किया। सिद्धू, और कान्हू दोनों भाइयों को पकड़ लिया गया और पेड़ से लटकाकर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी। इन्हीं शहीदों की याद में हर साल पूरा देश

हूल दिवस के पावन अवसर पर उधवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

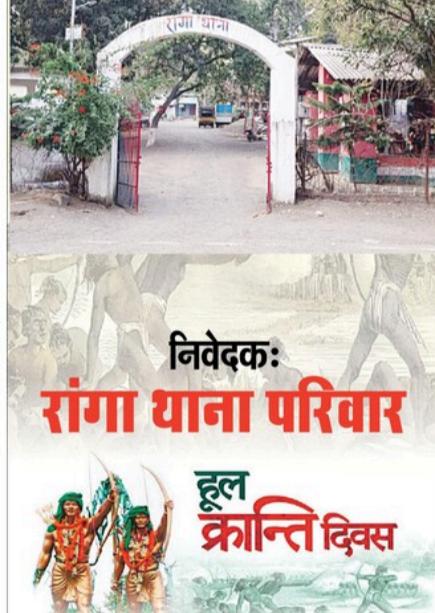


हूल दिवस के पावन अवसर पर उधवा प्रखंड के समस्त लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं



एक शुभचिंतक उधवा (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर पतना प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेर सारी शुभकामनाएं



निवेदक:
रांगा याना परिवार

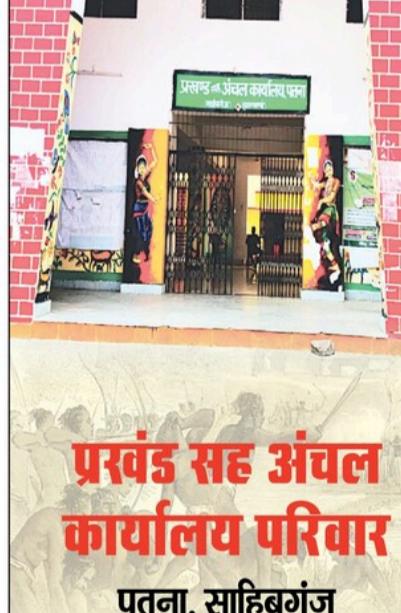
हूल
क्रान्ति दिवस

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेरसारी शुभकामनाएं



चंदन सिंह
पूर्व प्रखंड, झामुमो
राजमहल (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर पतना प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेर सारी शुभकामनाएं



प्रखंड सह अंचल
कार्यालय परिवार
पतना, साहिबगंज

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेरसारी शुभकामनाएं

माता-पिता के लाडले



रियांश साहा
राजमहल

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहड़ा प्रखंडवासियों को ढेरसारी शुभकामनाएं



मो मुस्तफा
वाई सदस्य, बटाइल पंचायत
बरहड़ा (साहिबगंज)

हूल दिवस के पावन अवसर पर बरहड़ा प्रखंडवासियों को ढेरसारी शुभकामनाएं

शंभू कुमार रजक



पंचायत समिति सदस्य, बटाइल, बरहड़ा

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को ढेरसारी शुभकामनाएं

नर्मल शेखर
पूर्व उप प्रमुख सह झामुमो नेता
राजमहल, साहिबगंज

एक शुभचिंतक

हूल क्रांति दिवस

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेरसारी शुभकामनाएं



एक शुभचिंतक राजमहल

हूल
क्रान्ति दिवस

हूल दिवस के पावन अवसर पर साहिबगंज जिलावासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं



संजय थुक्ला

अंचलिकारी पदाधिकारी

नगर पालिका, बरहड़ा

सन्जी कुमार दास

प्रधान विकास पदाधिकारी

वरहड़ा

डॉ पीके संथालिया

प्रभारी विकास पदाधिकारी,

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहड़ा

सुभित कुमार सिंह

वाना प्रभारी, बरहड़ा

आम प्रकाश चौहान

हूल दिवस के पावन अवसर पर पतना प्रखंड क्षेत्र की जनता को ढेर सारी शुभकामनाएं





टी-20 विश्व कप 2024

टी-20



ઇન્ડિયા, સોમવાર, 1 જુલાઈ 2024

■ ટીમ કો 17 સાલ બાદ વિશ્વ કપ દિલાને કે બાદ હિટમૈન ને ટી-20 સેલિયા સંન્યાસ, 2007 મેં વિશ્વ કપ સે શુરુ કિયા થા કરિયર

રોહિત...વિશ્વ વિજેતા સે શુરુઆત ઔર અંત

હિન્દુસ્તાન બ્યુરો, નई દિલ્હી। વિશ્વ વિજેતા કે સાથ શુરૂઆત ઔર વિશ્વ ખિતાવી કે સાથ હો ટી-20 કરિયર કા અંત। એસ સોધાયા કે ખિલાડીઓનો કો હી પિલતા હૈ। હિટમૈન કે નામ સે માસ્ટર્સ રોહિત શર્મા કા નામ ભી ઉચ્ચ એપીલાસિક લિસ્ટ મેં જુડી ગયા।

17 સાલ પૂર્વ પહલા વિશ્વ કપ જીતને વિશ્વ ટીમ કે સદર્ય રેટ રોહિત કા કપાણી મેં શાનીવાર કો બાબાંડોસ મેં જીતને ને કિર તિરણ ફરહાયા। વિશ્વ વિજેતા બનને કા લંબા ઇતિજા ખસ્ત હુંબા। ઇસેક સાથ હી દુનિયા કે સબસે સફળ બલ્લેબાજ ને ફટાફટ ક્રિકેટ કે અને ચ્યામ્પન્યાર કરિયર કો અલવિદા કર દિયા। ઇસેસ અંચ્છી વિદીષ 37 વર્ષથી બલ્લેબાજ કે લિએ કોઈ ઔર હો મીની સક્તી થા।

19 સિંગ્ટબર 2007 કો ડરકર મેં ઇન્લેન્ડ્સ કે ખિલાફ મુંબાઈ કે 20 સાલ કે રોહિત ને વિશ્વ કપ મેં હો અપને ફટાફટ કરિયર કો નહીં ડર્ભાન થી।

એસ મૈચ મેં ઉઠેં બલ્લેબાજી કા મૌકા

નહીં પર ભારત ને મૈચ 18 રસ સે

અંચ્છી સાથે પર ભારત ને મૈચ 20 રસ સે

અંચ્છી લગત હૈ, મૈં યોગદાન દિવા થા।

देश भवित से परिपूर्ण है हूल क्रांति दिवस की कहानी

आज 30 जून को पूरा झारखंड 'हूल दिवस' मना रहा है। हूल संथाली भाषा में उस क्रांति का नाम है, जिसने 1855-56 में अंग्रेजी हुक्मत की चूले ले लिए थी। भारतीय इतिहास की ज्यादातर पुस्तकों में आजादी की पहली लड़ाई के तौर पर 1857 के संघाम का उल्लेख किया गया है, लेकिन शहीद कर्ताओं और जनजातीय इतिहास के विद्वानों का एक बड़ा

समूह 30 जून 1855 को झारखंड के एक छोटे से गांव भोगनाडीह से शुरू हुए 'हूल' को देश के प्रथम स्वतंत्रता का दर्जा दिलाने की मुहिम चला रहा है। शहीद हुए थे 10 हजार से ज्यादा संथाल आदिवासी अंग्रेजों के खिलाफ संथाल आदिवासियों और स्थानीय लोगों के इस विद्रोह के नायक सिद्धो-कान्हू थे, जिन्हें हुक्मत ने

मौत के घाट उतार दिया था। इनके 2 अन्य भाइयों चांद-भैरव और 2 बहनों फूलो-झानो ने भी इस क्रांति के दौरान शहादत दे दी थी। जनजातीय इतिहास पर शोध करने वालों की माने तो एक साल तक चली आजादी की इस लड़ाई में 10 हजार से भी ज्यादा संथाल आदिवासी और स्थानीय लोग शहीद हुए थे।

इस जनक्रांति के नायक सिद्धो-कान्हू थे, जो मौजूदा झारखंड के साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह गांव निवासी चुन्नी मुर्मू की संतान थे। उन्होंने अंग्रेजों और जमीदारों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ 30 जून 1855 को भोगनाडीह में विशाल जनसभा बुलाई थी, जिसमें लगभग 20 हजार संताल आदिवासी इकट्ठा हुए थे।

हूल दिवस के पावन अवसर पर तालझारी प्रखंड क्षेत्र की जनता को देर सारी शुभकामनाएं

प्रखंड संस्कृत कार्यालय तालझारी

प्रखंड कार्यालय परिवार

तालझारी (साहिबगंज)

हूल क्रांति दिवस

हूल दिवस के पावन अवसर पर मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र की जनता को देर सारी शुभकामनाएं



मिर्जाचौकी थाना परिवार

मिर्जाचौकी, (साहिबगंज)

आज झारखंड में 'हूल दिवस' मनाया जा रहा है। अगर हूल क्रांति का कारण जानके कर्यालय करें तो हम जान पाएंगे कि महाजनों का देश में दबदबा था और वे महाजन अंग्रेजों के बेहद करीब थे। संथालों की लड़ाई महाजनों के खिलाफ थी लेकिन अंग्रेजों के करीब होने के कारण संथालों ने दोनों के खिलाफ विद्रोह कर दिया था।

अंग्रेजों ने विद्रोह को रोकने के लिए 1856 में तो रात मार्टिलो टावर का निर्माण कराया और उसमें छोटे-छोटे छोटे बनाए गए ताकि छिपकर संथालियों को बंदूक से निशाना बनाया जा सके। लेकिन एक इमारत भला आदिवासियों के पराक्रम के आगे कहाँ टिकने वाली थी। संथालियों के पराक्रम और साहस के आगे अंग्रेजों को झुकना पड़ा और उल्टे पांच भागों पर मजबूर होना पड़ा।

संथालों ने बेहद हिम्मत से अंग्रेजों सिपाहियों और जमीदारों का मुकाबला किया। अंग्रेजों ने भी पूरी क्लूरता के साथ विद्रोहियों को रोकने का प्रयास किया। सिल्कु और कान्हू दोनों भाइयों को पकड़ लिया गया और पेंड से लटकाकर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी। इन्हीं शहीदों की याद में हर साल पूरा देश हूल क्रांति दिवस मनाता है।

हूल दिवस के पावन अवसर पर राजमहल विधानसभा क्षेत्र की जनता को देर सारी शुभकामनाएं

शिव शोरेन जिंदाबाद कल्पना सोरेन जिंदाबाद गणपति शोरेन जिंदाबाद हेमंत शोरेन जिंदाबाद

हूल क्रांति दिवस

एमटी राजा

वरीय नेता, झामुमो, राजमहल

वीर शिव शोरेन जिंदाबाद

हूल दिवस (30 जून) के पावन अवसर पर पूरे झारखंडवासियों को देर सारी शुभकामनाएं

वोट रूपी आशीर्वाद देकर विजय कुमार हांसदा को तीसरीबार सेवा का मौका देने के लिए राजमहल संसदीय क्षेत्र की तमाम सम्मानित जनता व मतदाताओं का

3A BHAR

निवेदक :

संजीव सामु हेम्ब्रम

जिला सांसद प्रतिनिधि



विजय हांसदा
गांगांग, गज्जमहल लोकसभा श्वेत



झामुमो जिंदाबाद



हेमंत शोरेन जिंदाबाद